दिव्य ज्योति

'ज्योत से ज्योत जगाओ' का ध्रुवपद

ज्योत से ज्योत जगाओ,
सद्गुरु ज्योत से ज्योत जगाओ।
मेरा अन्तर-तिमिर मिटाओ,
सद्गुरु ज्योत से ज्योत जगाओ।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।